1 कुरिन्थियों अध्याय 6
रविवार, 22 सितंबर 2019

हम अपने अध्ययन के लिए छठे अध्याय को तीन भागों में विभाजित करते हैं:
विश्वासियों के बीच विवादों का समाधान (6:1–8)
धोए गए, पवित्र किए गए, धर्मी ठहराए गए (6:9–11)
यौन पाप से दूर रहें (6:12–20)

अध्याय पांच में स्थानीय कलीसिया में यौन पाप के विषय को संबोधित करने के पश्चात् पौलुस अपना ध्यान इस अध्याय में दो अन्य विषयों की ओर ले जाता है: स्थानीय कलीसिया में विश्वासियों के बीच झगड़े और विश्वासी जो यौन पाप से मुक्त जीवन जीते हैं।

विश्वासियों के बीच विवादों का समाधान (6:1–8)

1 क्या तुम में से किसी को यह हियाव है कि जब दूसरे के साथ झगड़ा हो, तो फैसले के लिये अधर्मियों के पास जाए और पवित्र लोगों के पास न जाए?
2 क्या तुम नहीं जानते कि पवित्र लोग जगत का न्याय करेंगे? इसलिये जब तुम्हें जगत का न्याय करना है, तो क्या तुम छोटे से छोटे झगड़ों का भी निर्णय करने के योग्य नहीं?
3 क्या तुम नहीं जानते कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे? तो क्या सांसारिक बातों का निर्णय न करें?
4 यदि तुम्हें सांसारिक बातों का निर्णय करना हो, तो क्या उन्हीं को बैठाओगे जो कलीसिया में कुछ नहीं समझे जाते हैं?
5 मैं तुम्हें लज्जित करने के लिये यह कहता हूँ। क्या सचमुच तुम में एक भी बुद्धिमान नहीं मिलता, जो अपने भाइयों का निर्णय कर सके?
6 तुम में भाई–भाई में मुक़द्दमा होता है, और वह भी अविश्वासियों के सामने।
7 परन्तु सचमुच तुम में बड़ा दोष तो यह है कि आपस में मुक़द्दमा करते हो। अन्याय क्यों नहीं सहते? अपनी हानि क्यों नहीं सहते?
8 परन्तु तुम तो स्वयं अन्याय करते और हानि पहुँचाते हो, और वह भी भाइयों को।

यहाँ समस्या यह थी कि विश्वासियों के बीच जब आपसी विवाद होते थे, तो वे उन्हें सुलझाने के लिए दीवानी अदालत में ले जाते थे। उस समय स्थानीय न्यायाधीश जिस स्थान पर बैठते थे उसे “बेमा सीट” कहा जाता था—यह शहर के खुले केंद्र या बाज़ार के बीच में बना हुआ एक ऊँचा पत्थर का मंच होता था। यूनानी संस्कृति में कानूनी विवाद लोगों के लिए एक तरह का मनोरंजन माने जाते थे। ज़रा कल्पना कीजिए—दो विश्वासी एक अविश्वासी न्यायाधीश के सामने, लोगों की भीड़ के बीच आपस में लड़ते हुए। यह अविश्वासियों के सामने कैसी गवाही होती?!

प्रेरित इस बात की ओर ध्यान दिलाते हैं कि विश्वासियों के रूप में हम भविष्य में संसार का और यहाँ तक कि स्वर्गदूतों का भी न्याय करेंगे। तो क्या हमें परमेश्वर द्वारा दी गई बुद्धि और प्रकाशन के साथ अपने बीच के मामलों को समझदारी से परखकर सुलझाने में सक्षम नहीं होना चाहिए?

साइड नोट: संत और स्वर्गदूत

- विश्वासियों के रूप में हम संत हैं, और हमारी स्थिति स्वर्गदूतों से भी अधिक विशेष और श्रेष्ठ है।
- हम परमेश्वर के वारिस और यीशु मसीह के साथ संयुक्त वारिस हैं, ताकि सब कुछ विरासत में पाएँ (रोमियों 8:17,18; प्रकाशितवाक्य 21:7)।
- परमेश्वर ने हमें स्वर्गदूतों के लिए उदाहरण के रूप में ठहराया है (इफिसियों 3:8-11; 1 कुरिन्थियों 4:9; 1 कुरिन्थियों 11:10)।
- स्वर्गदूत हमारे लिए परमेश्वर की उद्धार की योजना को देखने और समझने की लालसा रखते हैं (1 पतरस 1:10-13)।
- हम यीशु मसीह के साथ उनके सहस्राब्दी राज्य के दौरान राज्य करेंगे और पृथ्वी पर उनके राज्य के संचालन में सहभागी होंगे (दानिय्येल 7:22; मत्ती 19:28; प्रकाशितवाक्य 2:26; प्रकाशितवाक्य 20:4)।
- बाइबल यह स्पष्ट नहीं करती कि हम स्वर्गदूतों का न्याय किस प्रकार करेंगे, परन्तु यह बताती है कि मसीह में हम पिता के दाहिने हाथ पर स्वर्गदूतों से उच्च स्थान पर हैं (इफिसियों 2:4-6) और हम उनका न्याय करेंगे (1 कुरिन्थियों 6:3)।

दीवानी अदालत और कानूनी अधिकार के बारे में क्या?

इस अंश का उपयोग करके हमें दीवानी अदालतों या कानूनी अधिकार का अपमान या तिरस्कार नहीं करना चाहिए। प्रेरित पौलुस ने हमें रोमियों 13:3,4 में सिखाया कि हम नागरिक अधिकारों के अधीन रहें क्योंकि वे परमेश्वर की ओर से स्थापित हैं। जब पौलुस के साथ अन्याय हुआ, तो उसने प्रेरितों के काम 22:25 में यह कहते हुए कानूनी व्यवस्था का सहारा लिया कि वह रोमी नागरिक है और निष्पक्ष न्याय का अधिकार रखता है। उसने रोमी नागरिक के रूप में अपने अधिकार का उपयोग करते हुए प्रेरितों के काम 25:10,11 में स्वयं कैसर के पास, अर्थात् सर्वोच्च स्तर तक अपील की।

वास्तविक मुद्दा—भाई का भाई के विरुद्ध होना

यहाँ मुख्य विषय विश्वासियों के बीच विवादों को सुलझाने का है। हमें परमेश्वर के सिद्धांतों का उपयोग करते हुए अपने बीच के मामलों को सुलझाना सीखना चाहिए।

प्रभु यीशु ने मत्ती 18:15-17 में इसके लिए मार्गदर्शन दिया है:

मत्ती 18:15-17
15 "यदि तेरा भाई तेरे विरुद्ध अपराध करे, तो जा और अकेले में बातचीत करके उसे समझा; यदि वह तेरी सुने तो तू ने अपने भाई को पा लिया।
16 यदि वह न सुने, तो एक या दो जन को अपने साथ और ले जा, कि 'हर एक बात दो या तीन गवाहों के मुँह से निश्चित की जाए।'
17 यदि वह उनकी भी न माने, तो कलीसिया से कह दे, परन्तु यदि वह कलीसिया की भी न माने तो तू उसे अन्यजाति और महसूल लेनेवाले जैसा जान।

अन्याय सह लेना

- **वचन 7,8:**

7 परन्तु सचमुच तुम में बड़ा दोष तो यह है कि आपस में मुक़द्दमा करते हो। अन्याय क्यों नहीं सहते? अपनी हानि क्यों नहीं सहते?
8 परन्तु तुम तो स्वयं अन्याय करते और हानि पहुँचाते हो, और वह भी भाइयों को।

यदि तुम्हारे साथ अन्याय हुआ है, तो तुम्हारे पास यह चुनाव है कि तुम "अन्याय सह लो" और "ठगे जाने दो" और उस विषय को छोड़ दो। अन्यथा, मत्ती 18:15-17 में बताए गए क्रम के अनुसार आगे बढ़ो और देखो कि क्या अन्य विश्वासियों या कलीसिया की सहायता से उस विषय का समाधान हो सकता है। यदि कोई व्यक्ति स्थानीय कलीसिया के अगुवों द्वारा दिए गए निर्णय (समाधान) को मानने से इंकार करता है, तो उसे उसी प्रकार मानना पड़ेगा जैसे किसी अविश्वासी को माना जाता है। दीवानी अदालत में जाना और कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्णय आपके ऊपर छोड़ दिया गया है।

यीशु मसीह में विश्वासियों के रूप में हमें मेल कराने वाले बनने के लिए बुलाया गया है, और हमें सबसे पहले यह अपने बीच ही सीखना चाहिए।

मत्ती 5:9
धन्य हैं वे, जो मेल करानेवाले हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएँगे।

धोए गए, पवित्र किए गए, धर्मी ठहराए गए (6:9–11)

9 क्या तुम नहीं जानते कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ; न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी,
10 न चोर, न लोभी, न पियक्कड़, न गाली देनेवाले, न अन्धेर करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे।
11 और तुम में से कितने ऐसे ही थे, परन्तु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे।

कुरिन्थ के विश्वासी एक-दूसरे के साथ गलत व्यवहार कर रहे थे—एक-दूसरे को ठग रहे थे और अदालतों में ले जा रहे थे। पौलुस इस बात को उजागर करते हैं और उन्हें याद दिलाते हैं कि जो लोग ऐसे जीवन जीते हैं, और साथ ही अन्य कई पापों में लगे रहते हैं (यह आवश्यक नहीं कि यह पूरी सूची हो), वे परमेश्वर के राज्य के भागी नहीं होंगे। वे उन्हें चेतावनी देते हैं कि वे धोखा न खाएँ और भटकें नहीं।

हालाँकि यह केवल आंशिक सूची है, पौलुस जिन बातों का उल्लेख करते हैं, वे इस प्रकार हैं:

- व्यभिचारी-यूनानी *'पॉर्नोस' (pornos)* = वेश्या या किसी भी प्रकार का यौन पाप करने वाला
- मूर्तिपूजक = झूठे देवताओं या धन (मम्मोन) की पूजा करने वाला
- परस्त्रीगामी = विवाह की वाचा का उल्लंघन करने वाला, विश्वास तोड़ने वाला
- समलैंगिक-यूनानी *'मलाकोस' (malakos)* = समलैंगिक, पुरुष वेश्या
- सोडोमी-यूनानी *'आर्सेनोकोइटेस' (arsenokoites)* = समलैंगिक आचरण या अप्राकृतिक यौन व्यवहार के लिए सामान्य शब्द; यौन विकृत आचरण करने वाला
- चोर
- लोभी = लालची
- मद्यपी
- निंदक = अपमान करने वाला, गाली देने वाला, बदनाम करने वाला
- ठग / जबरन लेने वाले = लोगों को धोखा देने वाला, छल करने वाला, लुटेरा

हालाँकि यह सूची अनेक प्रकार के पापों को दर्शाती है, फिर भी यह परमेश्वर के राज्य से दूर करने वाले सभी पापों की पूरी सूची नहीं है।

बाइबल यहाँ स्पष्ट रूप से बताती है कि समलैंगिक आचरण पाप है। पौलुस के समय की संस्कृति में समलैंगिकता बहुत प्रचलित थी; पहले पंद्रह रोमी सम्राटों में से चौदह, द्विलिंगी या समलैंगिक थे। कुरिन्थ के विश्वासी भी ऐसी ही संस्कृति से निकलकर आए थे।

- **वचन 11:**

और तुम में से कितने ऐसे ही थे, परन्तु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे।

अद्‌भुत सुसमाचार यह है कि अब वे प्रभु यीशु मसीह के नाम में और हमारे परमेश्वर की आत्मा के द्वारा धोए गए, पवित्र किए गए और धर्मी ठहराए गए हैं।

धोए गए–यूनानी *'apolouo' 'अपोलुओ'*= पूरी तरह धो देना, सम्पूर्ण व्यक्ति को शुद्ध करना। जब हम प्रभु यीशु के नाम को पुकारते हैं (प्रेरितों के काम 22:16), तब हम यीशु मसीह के लहू के द्वारा अपने पापों से शुद्ध किए जाते हैं (1 यूहन्ना 1:7; प्रकाशितवाक्य 1:5), जो परमेश्वर की दया से होता है (तीतुस 3:5)।

पवित्र किए गए–यूनानी *'hagiazo' 'हागियाज़ो'* = पवित्र करना, अलग ठहराना, परमेश्वर के लिए समर्पित करना, पाप से अलग करना।

हम संसार से अलग होकर परमेश्वर के लिए ठहराए गए हैं—यीशु के क्रूस के कार्य के कारण (इब्रानियों 10:10), यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा (प्रेरितों के काम 26:18), परमेश्वर के वचन के द्वारा (यूहन्ना 15:3; 17:19), और पवित्र आत्मा के कार्य से (रोमियों 15:16)।

धर्मी ठहराए गए–यूनानी *'dikaioo' 'दिकाइओ'*= धर्मी घोषित करना, दोष, लज्जा, न्याय और दण्ड से मुक्त करना।

हम परमेश्वर के अनुग्रह से, विश्वास के द्वारा, और यीशु के क्रूस के कार्य के कारण मुफ्त में धर्मी ठहराए गए हैं (रोमियों 3:24,28; रोमियों 5:1)।

आइए हम साहस के साथ यह घोषणा करें: *"मैं प्रभु यीशु के नाम में और परमेश्वर की आत्मा के द्वारा धोया गया, पवित्र किया गया और धर्मी ठहराया गया हूँ।"*

यदि प्रभु ने तब किया, तो आज भी करता है! लोग हर प्रकार के पाप से निकल सकते हैं—यीशु के नाम में और पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से धोए गए, पवित्र और धर्मी बन सकते हैं।

यौन पाप से दूर रहें (6:12–20)

12 सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं, परन्तु सब वस्तुएँ लाभ की नहीं; सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित हैं, परन्तु मैं किसी बात के अधीन न हूँगा।
13 भोजन पेट के लिये, और पेट भोजन के लिये है, परन्तु परमेश्वर इस को और उस को दोनों को नष्ट करेगा। परन्तु देह व्यभिचार के लिये नहीं, वरन् प्रभु के लिये है, और प्रभु देह के लिये है।
14 परमेश्वर ने अपनी सामर्थ्य से प्रभु को जिलाया, और हमें भी जिलाएगा।
15 क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारी देह मसीह के अंग हैं? तो क्या मैं मसीह के अंग लेकर उन्हें वेश्या के अंग बनाऊँ? कदापि नहीं।
16 क्या तुम नहीं जानते कि जो कोई वेश्या से संगति करता है, वह उसके साथ एक तन हो जाता है? क्योंकि लिखा है: "वे दोनों एक तन होंगे।"
17 और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है।
18 व्यभिचार से बचे रहो। जितने अन्य पाप मनुष्य करता है वे देह के बाहर हैं, परन्तु व्यभिचार करनेवाला अपनी ही देह के विरुद्ध पाप करता है।
19 क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है, जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है; और तुम अपने नहीं हो?
20 क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।

- ### वचन 12:

सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित तो हैं, परन्तु सब वस्तुएँ लाभ की नहीं; सब वस्तुएँ मेरे लिये उचित हैं, परन्तु मैं किसी बात के अधीन न हूँगा।

हो सकता है कुछ बातें कानूनी, स्वीकार्य या समाज में सही मानी जाती हों, लेकिन वे हमेशा लाभदायक या आत्मिक रूप से उपयोगी नहीं होतीं। इसलिए हमें किसी भी चीज़ के नियंत्रण या अधिकार में नहीं आना चाहिए।

इस अंश के संदर्भ में, प्रेरित पौलुस विशेष रूप से यौन पाप—खासकर वेश्यावृत्ति के उपयोग—के बारे में बात कर रहे थे। उस समय कुरिन्थियों में वेश्याओं की सेवाएँ लेना सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य माना जाता था। वास्तव में, यह शहर इसी कारण प्रसिद्ध भी था। लेकिन प्रेरित पौलुस विश्वासियों को यह सिखा रहे थे कि वे किसी भी चीज़ के नियंत्रण में न आएँ—यहाँ तक कि उन प्रथाओं के भी नहीं, जिन्हें समाज सामान्य या स्वीकार्य मानता हो।

- ### वचन 13,14:

13 भोजन पेट के लिये, और पेट भोजन के लिये है, परन्तु परमेश्वर इस को और उस को दोनों को नष्ट करेगा। परन्तु देह व्यभिचार के लिये नहीं, वरन् प्रभु के लिये है, और प्रभु देह के लिये है।
14 परमेश्वर ने अपनी सामर्थ्य से प्रभु को जिलाया, और हमें भी जिलाएगा।

भोजन पेट के लिये है और पेट भोजन के लिये। हम यह स्वीकार करते हैं कि शरीर में स्वाभाविक और प्राकृतिक भूख होती है जिन्हें पूरा किया जाना आवश्यक है। शरीर को भूख लगती है और उसे भोजन की आवश्यकता होती है। शरीर में यौन इच्छाएँ भी होती हैं जिन्हें संतुष्ट किया जाना होता है। परमेश्वर शरीर की इच्छाओं और उन्हें संतुष्ट करने वाली वस्तुओं—दोनों का अन्त करेगा। (हम जानते हैं कि हम मेम्ने के विवाह के भोज में खाएँगे, परन्तु वह भिन्न प्रकार का होगा। हम जीवन को बनाए रखने के लिये नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव मनाने के लिये खाएँगे।)

इस समय जो महत्वपूर्ण है, वह यह है कि हम अपनी इच्छाओं को प्रभु के अधीन रखें।

शरीर की इच्छाएँ मुझे पाप की ओर न ले जाएँ, जब मैं उन आवश्यकताओं को पूरा कर रहा हूँ। इसलिये यद्यपि शरीर में यौन इच्छाएँ हैं, फिर भी शरीर व्यभिचार के लिये नहीं है (यूनानी *'porneia' 'पोर्नेइया'*)। मैं शरीर की यौन इच्छाओं को पूरा करने के लिये अनैतिक तरीकों का उपयोग नहीं करता।

शरीर प्रभु के लिये है और प्रभु शरीर के लिये।
मैं अपने शरीर को प्रभु के लिये पवित्र और समर्पित रखता हूँ।
प्रभु स्वयं को मेरे शरीर के लिये अभी और भविष्य में उपलब्ध करते हैं।

भविष्य में वह हमें अपनी सामर्थ्य से जिलाएंगे, जैसे मसीह मरे हुओं में से जिलाये गए। वर्तमान में प्रभु शरीर के लिये किस प्रकार उपलब्ध हैं? प्रभु चंगाई देने वाला है—इसलिये प्रभु का शरीर के लिये होना यह दर्शाता है कि वह अभी मेरे शरीर का चंगाई देने वाले हैं। प्रभु सामर्थ्य देने वाले हैं—इसलिये प्रभु का शरीर के लिये होना यह अर्थ रखता है कि उनकी सामर्थ्य अभी, वर्तमान में, मेरे लिये उपलब्ध है।

घोषणा करें: "मेरा शरीर यौन पाप के लिये नहीं है। मेरा शरीर प्रभु के लिये है। और प्रभु मेरे शरीर के लिये हैं।"

घोषणा करें: "प्रभु मेरे शरीर के लिये है। प्रभु चंगाई देने वाले हैं, और उनकी चंगाई मेरे शरीर के लिये है। प्रभु सामर्थ्य देने वाले हैं, और उनकी सामर्थ्य मेरे शरीर के लिये है।"

- **वचन 15:**

क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारी देह मसीह के अंग हैं? तो क्या मैं मसीह के अंग लेकर उन्हें वेश्या के अंग बनाऊँ? कदापि नहीं।

अंग, यूनानी *'melos' 'मेलोस'*= अंग, शरीर का एक भाग।

तन, यूनानी *'porne' 'पोर्ने'*= वेश्या, वह स्त्री जो यौन उपयोग के लिए अपने शरीर को बेचती है।

हमारे शरीर मसीह की देह के अंग हैं, इसलिए उन्हें कभी भी वेश्या के शरीर का भाग नहीं बनना चाहिए।

अपने शरीर को पवित्र समझो, क्योंकि यह मसीह की अपनी देह का हिस्सा है—एक माध्यम जिसके द्वारा वह इस पृथ्वी पर प्रकट और व्यक्त होते हैं। मसीह को मेरे शरीर के द्वारा प्रकट होना चाहिए।

घोषणा करें: "मेरा शरीर मसीह की देह का हिस्सा है।"

- **वचन 16,17:**

16 क्या तुम नहीं जानते कि जो कोई वेश्या से संगति करता है, वह उसके साथ एक तन हो जाता है? क्योंकि लिखा है: "वे दोनों एक तन होंगे।"
17 और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है।

संगति, यूनानी *'kollao' 'कोल्लाओ'* = चिपक जाना, जोड़ दिया जाना, मजबूती से बँध जाना, एक साथ जुड़ जाना।

तन, यूनानी *'soma' 'सोमा'* = भौतिक शरीर; साथ ही किसी सामाजिक, नैतिक या आध्यात्मिक समूह/समुदाय के लिए भी प्रयोग होता है।

विवाह के बाहर होने वाले यौन संबंध में भी दो लोग "एक शरीर" बनते हैं—लेकिन यह जुड़ाव पाप के माध्यम से होता है, इसलिए यह परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध है और उसके न्याय के अधीन आता है।

इब्रानियों 13:4
विवाह सब में आदर की बात (बहुमूल्य, कीमती, महान मूल्य का) **समझी जाए, और विवाह–बिछौना निष्कलंक** (शुद्ध) **रहे, क्योंकि परमेश्वर व्यभिचारियों** (यूनानी *'pornos' 'पोर्नस'*)**, और परस्त्रीगामियों का न्याय करेगा।**

विवाह के भीतर होने वाले यौन संबंध में जब पति-पत्नी "एक देह" बनते हैं, तो वह शुद्ध होता है और परमेश्वर की आशीष के अधीन होता है।

- **वचन 17:**

और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है।

विश्वासियों के रूप में हमें यह जानना चाहिए कि हम आत्मा में प्रभु से जुड़े हुए हैं। हम आध्यात्मिक रूप से उनके साथ एक हैं। हम उनके साथ आत्मिक एकता में हैं।

प्रभु के साथ आत्मिक रूप से एक होने के सभी गहरे अर्थों पर विचार करें। जैसा कि यीशु ने यूहन्ना 14:20 में कहा, हम उनमें हैं और वे हममें हैं। हमारी आत्मिक पहचान उनमें है। उनका जीवन हममें है। यूहन्ना, 1 यूहन्ना 4:17 में कहता है, *"जैसा वह है वैसे ही संसार में हम भी हैं।" "...इस संसार में हमारा जीवन मसीह के जीवन के समान है"* (GNB-गुड न्यूज ट्रांस्लेशन अंग्रेजी बाइबल)। *"...इस संसार में हम यीशु के समान हैं"* (ERV-ईज़ी-टू-रीड वर्शन अंग्रेजी बाइबल)।

घोषणा करें: "मैं आत्मिक रूप से यीशु के साथ एक हूँ। मैं उनमें हूँ और वे मुझमें हैं। मेरी आत्मिक पहचान उनमें है। वे मुझमें हैं। उनका जीवन मुझमें है। वे मेरे द्वारा कार्य करते हैं।"

- **वचन 18:**

व्यभिचार से बचे रहो। जितने अन्य पाप मनुष्य करता है वे देह के बाहर हैं, परन्तु व्यभिचार करनेवाला अपनी ही देह के विरुद्ध पाप करता है।

बचे रहो—ग्रीक *'pheugo' 'फ्यूगो'* का अर्थ है: भाग जाना, दूर हट जाना, बच निकलना, सुरक्षित होने के लिए तुरंत दूर जाना, उड़कर निकल जाना।

व्यभिचार — ग्रीक *'porneia' 'पोर्नेइया'* का अर्थ है: हर प्रकार का यौन पाप / यौन अनैतिकता।

व्यभिचार से बचे रहो...

इस सत्य को ध्यान में रखते हुए कि हम प्रभु से जुड़े हुए हैं और आत्मिक रूप से उसके साथ एक हैं, हर प्रकार के यौन पाप के प्रति हमारी एक ही प्रतिक्रिया होनी चाहिए—**भाग जाओ (FLEE)**!

जब आपको ज़रा-सा भी आभास हो कि यौन पाप का प्रलोभन सामने आने वाला है, तो रुककर सोचो मत, विचार मत करो या मनन मत करो। **पहले भागो**—बाद में सोचो।

... जितने अन्य पाप मनुष्य करता है वे देह के बाहर हैं, परन्तु व्यभिचार करनेवाला अपनी ही देह के विरुद्ध पाप करता है।

सामान्यतः हम जो अधिकांश पाप करते हैं, या जो गलतियाँ करते हैं, वे बाहरी होती हैं और शरीर को सीधे प्रभावित नहीं करतीं। लेकिन यौन पाप शरीर को नैतिक और आत्मिक रूप से प्रभावित और अपवित्र करता है।

नीतिवचन 5:22 इस संदर्भ में कहता है कि जो व्यक्ति व्यभिचार करता है वह "अपने ही पापों की रस्सियों में फँस जाता है।" यह बंधन में डालने वाला है।

नीतिवचन 6:26-32 बताता है कि व्यभिचार मनुष्य को शून्य कर देता है, और अपने आप को आग लगाने के समान है, और अपनी ही आत्मा को नष्ट करता है। यह विनाशकारी है।

1 पतरस 2:11 हमें बताता है कि शारीरिक वासनाएँ हमारी आत्मा (मन, इच्छा और भावनाएँ) के विरुद्ध युद्ध करती हैं। यह अशांत करने वाला है।

विवाह के बाहर का यौन संबंध भले ही रोमांचक दिखाई दे, लेकिन कभी भी समृद्ध करने वाला नहीं होता।

घोषणा करें: "मैं हर प्रकार के यौन पाप से मुँह मोड़ता हूँ।"

- **वचन 19,20:**

19 क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है, जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है; और तुम अपने नहीं हो?
20 क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिये अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।

विश्वासियों के रूप में यह सत्य हमें समझना चाहिए, जो हमें हर प्रकार के यौन पाप से दूर रहने में सहायता करेगा।

हमारा शरीर पवित्र आत्मा का मंदिर है, जो हम में वास करता है। हम परमेश्वर का निवास स्थान हैं, इसलिए हम पवित्र हैं। इसलिए हमें परमेश्वर के मंदिर को अशुद्ध, गंदा या अपवित्र नहीं करना चाहिए।

अब हम अपने नहीं रहे। हमें परमेश्वर ने मूल्य देकर खरीद लिया है और हम उसी के हैं। इसलिए हम स्वयं को किसी और को बेच या सौंप नहीं सकते।

घोषणा करें: "मेरा शरीर पवित्र आत्मा का मंदिर है और परमेश्वर का निवास स्थान है। मेरा शरीर पवित्र है।"

घोषणा करें: "मेरा शरीर मेरा नहीं है। मेरी आत्मा, प्राण और शरीर यीशु के लहू से खरीदे गए हैं और परमेश्वर के हैं।"

यौन पाप पर जय पाने के लिये सत्य

कुरिन्थियों के विश्वासियों (और हम सभी) को यौन पाप से दूर रहने की शिक्षा देते हुए, पवित्र आत्मा प्रेरित पौलुस के द्वारा निम्न सच्चाइयों को प्रकट करते हैं, जिन्हें हमने इन दृढ़ घोषणाओं में संकलित किया है:

- मेरा शरीर यौन पाप के लिए नहीं है। मेरा शरीर प्रभु के लिए है।
- मेरा शरीर मसीह की देह का भाग है।
- मैं आत्मिक रूप से यीशु के साथ एक हूँ। वह मुझमें है और मैं उसमें हूँ।
- मैं हर प्रकार के यौन पाप से दूर भागता हूँ।
- मेरा शरीर पवित्र आत्मा का मंदिर है और परमेश्वर का निवास स्थान है। मेरा शरीर पवित्र है।
- मेरा शरीर मेरा नहीं है। मेरी आत्मा, प्राण और शरीर यीशु के लहू से खरीदे गए हैं और परमेश्वर के हैं।

लाइफ़ ग्रुप अध्ययन मार्गदर्शिका

रविवार, 22 सितंबर 2019
1 कुरिन्थियों अध्याय 6

यह लाइफ ग्रुप चर्चाओं में उपयोग के लिए एक सरल मार्गदर्शिका है। हमारा उद्देश्य रविवार के संदेश के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करना है—कि कैसे प्रत्येक व्यक्ति वचन का करने वाला बन रहा है और अपने जीवन को परमेश्वर के पवित्र वचन पर बना रहा है। लाइफ ग्रुप की सभा सामान्यतः 2 घंटे की होती है। प्रत्येक लाइफ ग्रुप में लगभग 12-15 लोग होते हैं।

तैयारी
लाइफ ग्रुप बैठक की तैयारी के लिए, आप Sermon Key Points (पाँच मिनट में संदेश का सार) या पूरा रविवार का संदेश सुन सकते हैं। आप रविवार के संदेश के नोट्स भी देख सकते हैं। यह सभी "All Peoples Church Bangalore-ऑल पीपल्स चर्च बैंगलोर" मोबाइल ऐप में या ऑनलाइन **apcwo.org/sermons** पर उपलब्ध हैं। लाइफ ग्रुप बैठक के लिए प्रार्थना करें और पवित्र आत्मा के कार्य और सेवकाई को आमंत्रित करें।

स्वागत
लाइफ ग्रुप बैठक की शुरुआत प्रार्थना, आराधना और किसी मनोरंजक गतिविधि के समय से हो सकती है।

परमेश्वर के वचन को सुनें
निम्नलिखित शास्त्र खंड पढ़ें: *1 कुरिन्थियों अध्याय 6*

मिलकर परमेश्वर के वचन की जाँच करें
कृपया इनमें से कुछ प्रश्नों पर मिलकर चर्चा करें, और लोगों को अपनी समझ साझा करने का अवसर दें। हम प्रत्येक व्यक्ति को प्रोत्साहित करते हैं कि समूह चर्चा के दौरान अपने व्यक्तिगत सीख को लिख लें।

1) *क्या आप ऐसे उदाहरणों के बारे में सोच सकता है जहाँ विश्वासियों के बीच विवाद हुए हों, और उन्हें उसे सुलझाने के लिए पवित्रशास्त्र के निर्देशों का पालन करना चाहिए था? बिना किसी नाम या व्यक्तिगत विवरण बताए इन्हें साझा करें। यहाँ उद्देश्य यह सीखना है कि भविष्य में बातों को बाइबिल के अनुसार संभाला जा सके।*

2) *हम धोए गए, पवित्र किए गए और धर्मी ठहराए गए हैं। जब आपने पहली बार इस सत्य को समझा कि आप धोए गए, पवित्र किए गए और धर्मी ठहराए गए हैं, उस समय की अपनी खुशी पर मनन करें। आपकी भावनाएँ क्या थीं?*

3) 1 कुरिन्थियों 6:12-20 के अनुसार वे कौन-सी बाइबिल की सच्चाइयाँ और मुख्य बातें हैं जो हमें यौन पाप से दूर रहने में मदद करती हैं?

यदि समय अनुमति दे, तो प्रत्येक व्यक्ति कुछ मिनट (अधिकतम तीन मिनट) लेकर एक या दो मुख्य सीख साझा करे और यह बताए कि वे इसे अपने विशिष्ट जीवन परिस्थितियों में कैसे लागू होते हुए देखते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अपने जीवन और आत्मिक यात्रा को साझा करते हुए संगति करें

प्रत्येक व्यक्ति कुछ मिनट (अधिकतम 3 मिनट) लेकर परमेश्वर के साथ अपने जीवन से संबंधित कुछ भी साझा करे—जो कुछ परमेश्वर उन्हें सिखा रहा है, प्रार्थना के उत्तर की कोई गवाही, या कोई विशेष चुनौती जिसके लिए वे प्रार्थना चाहते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें—प्रार्थना और सेवकाई के द्वारा

दो या तीन लोगों के छोटे समूहों में बँट जाएँ और बारी-बारी से आज जो सीखा गया है उसके प्रकाश में परमेश्वर को धन्यवाद दें और एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करें। पवित्र आत्मा की अगुवाई सुनें। पवित्र आत्मा के वरदानों के बहने की अपेक्षा रखें—चंगाई, चमत्कारों की रिहाई, भविष्यवाणी आदि के द्वारा।

पुनः एकत्रित हों और इन विषयों के लिए मिलकर प्रार्थना करें:

1) परिवारों की सुरक्षा और सुदृढ़ता के लिए

2) कलीसिया के रूप में हम पर परमेश्वर के पवित्र आत्मा का एक शक्तिशाली उंडेलाव हो, और हमारे द्वारा हमारे नगर और राष्ट्र में बहुतों को आशीष मिले। केवल परमेश्वर के आत्मा का सामर्थी कार्य ही हमारे नगर और राष्ट्र को बदल सकता है।

3) BUILD TO IMPACT (प्रभाव के लिए निर्माण करें) परियोजना के लिए—भूमि की खोज और अधिग्रहण की प्रक्रिया में परमेश्वर के हाथ की अगुवाई के लिए, और इस परियोजना को पूरा करने के लिए पर्याप्त से भी अधिक वित्तीय प्रावधान के लिए।

अंत में मिलकर परमेश्वर को धन्यवाद देते हुए समाप्त करें।

उपयोगी संसाधन

हर रविवार सुबह 10:30 बजे (भारतीय समय, GMT+5:30) हमारी ऑनलाइन संडे चर्च सेवा का लाइव प्रसारण देखें। पवित्र आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त आराधना, वचन और चंगाई, चमत्कार तथा छुटकारे की सेवा।
यूट्यूब: https://youtube.com/allpeopleschurchbangalore
वेबसाइट: https://apcwo.org/live

हमारी अन्य वेबसाइट्स और निःशुल्क संसाधन:
चर्च: https://apcwo.org
निःशुल्क संदेश: https://apcwo.org/resources/sermons
निःशुल्क पुस्तकें: https://apcwo.org/books/english
दैनिक भक्ति-वचन: https://apcwo.org/resources/daily-devotional
यीशु मसीह: https://examiningjesus.com
बाइबल कॉलेज: https://apcbiblecollege.org
ई-लर्निंग: https://apcbiblecollege.org/elearn
वीकेंड स्कूल्स: https://apcwo.org/ministries/weekend-schools
काउंसलिंग: https://chrysalislife.org
संगीत: https://apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिप: https://pamfi.org
चर्च ऐप: https://apcwo.org/app
चर्चेस: https://apcwo.org/ministries/churches
विश्व मिशन: https://apcworldmissions.org